

दैनिक

जलतेदीप

JAIPUR EDITION

राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक

जल स्रोतों की स्थिरता के लिए ग्राउंड वाटर रिचार्ज और 'जल संरक्षण' पर फोकस करे : सुधांश पंत

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में पेयजल के स्रोतों की लब्ध समय तक स्थिरता के लिए अधिकारियों को 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करते हुए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए हैं।

पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग में नलकूप और हैंडपम्प सहित पेयजल सलाइं के स्रोतों के आस पास वाटर रिचार्ज के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) की गाइडलाइन के अनुसार संरचनाओं का निर्माण हो। इसके लिए जलदाय विभाग के अधिकारी अन्य विभागों के



साथ सम्बन्ध करते हुए 15वें वित्त आयोग और मनरेखा के प्रावधानों के तहत उपलब्ध राशि का भी सदृश्यता सुनिश्चित करे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल, आगंनबाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन एवं स्वास्थ्य केन्द्रों जैसे परिसरों में नल से जल कनेक्शन देने की प्रगति की समीक्षा की और शेष बचे स्थानों पर आगामी 31 मार्च तक कनेक्शन

देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जिलों में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठकों में भी इसकी प्राप्ति पर निरंतर निगह रखी जाए। सभी जिलों में विभागीय अधिकारी जिला कलक्टर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी गठन और सभी जिलों में क्रियान्वयन सहयोग एजेंसीज (आईएसए-समर्क) खट्टे हुए निर्धारित टाइमलाइन में लक्ष्य को पूरा करे।

पंत ने बैठक में जल जीवन

मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी दिनों में सभी जिलों के कलक्टर्स, जिला परिषदों के सीईओ और जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को शामिल करते हुए राज्य स्तरीय बैठकों की बैठक आयोजित करने तथा सभी कार्यों एवं गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में जेजेएम के तहत जिला कलक्टर्स की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठकें लगातार आयोजित हो रही हैं।

प्रदेश में 40 हजार से अधिक ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के अधिकारी और अन्य अधिकारियों से सहयोग एजेंसीज (आईएसए-समर्क) खट्टे हुए निर्धारित टाइमलाइन में लक्ष्य को पूरा करे। एसीएस ने सभी जिलों में आईएसए के साथ विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सामाजिक क्षेत्रों का आजायपका का मुख्य साधन पशुपालन है, जिसे देखते हुए राज्य सरकार द्वारा कधकों

भवानीपाल या रूपन भवक जारी पीएचडी धारकों को उपाधियां प्रदान की गई। भाष्यम से डाकल का भार माप विज्ञान के नियंत्रक अभियान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

८४ सप्तम दा जाता ह। वर्तक भा। वार्तक
ल कुमार अग्रवाल, सहित तेल कम्पनियों

राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक

जल स्रोतों की स्थिरता के लिए 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करें- अतिरिक्त मुख्य सचिव

जयपुर (कास)। जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में पेयजल के स्रोतों की लाघे समय तक स्थिरता के लिए अधिकारियों को 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करते हुए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग में नलकूप और हैंडपम्प सहित पेयजल सप्लाई के स्रोतों के आस पास वाटर रिचार्ज के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) की गाइडलाइन के अनुसार संरचनाओं का निर्माण हो। इसके लिए जलदाय विभाग के अधिकारी अन्य विभागों से विवरण लेने की ज़रूरत है।



प्रावधानों के तहत उपलब्ध राशि का भी सुदृष्टयोग सुनिश्चित करें। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन एवं स्वास्थ्य केंद्रों जैसे परिसरों में नल से जल कनैक्शन देने की प्रगति की समीक्षा की और शेष बचे स्थानों पर आगामी 31 मार्च तक कनैक्शन देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जिलों में जिला जल एवं वर्जना प्रणाली की वैश्वकों में 90% रखी जाए। सभी जिलों में विभागीय अधिकारी जिला कलक्टर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य अधिकारियों से सम्पर्क रखते हुए निर्धारित टाइमलाइन में लक्ष्य को पूरा करें। पंत ने बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी दिनों में सभी जिलों के कलक्टर्स, जिला परिषदों के सीईओ और जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को आगिने करने वाला ग्रन्त जनरी

कार्यों एवं गतिविधियों में तेजी
लाने के निर्देश दिए।

Rajasthan State Road Development And
NIT/2020-21/23270-79 जूलिया क्षेत्र में
निम्नलिखित कार्यों के लिए केवल साथकर के अधीन
निम्नलिखित प्राप्ति में से लागू होनी चाहिए है औन्होंना निम्नलिखित
मुद्रा द्वारा भवानी किया जाना चाहिए।

नगर निवासी
जलसंकट पूर्ण, बड़ी जल
प्राप्ति : अ.प्रा.प्र. / 2021/71
ई-निविदा सूचना सं. अधिकारी

गीतःचाल

Fri, 26 February 2021
epaper.pratahkal.com/c/58707144

राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक

जल स्रोतों की स्थिरता के लिए 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करें: अतिरिक्त मुख्य सचिव

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में पेयजल के स्रोतों की लम्बे समय तक स्थिरता के लिए अधिकारियों को 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करते हुए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग में नलकूप और हैंडपम्प सहित पेयजल सप्लाई के स्रोतों के आस पास वाटर रिचार्ज के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) की गाइडलाइन के अनुसार संरचनाओं का निर्माण हो। इसके लिए जलदाय विभाग के अधिकारी अन्य विभागों के साथ समन्वय करते हुए 15वें वित्त आयोग और मनरेगा के प्रावधानों के तहत उपलब्ध राशि का भी सुदृढ़ योग सुनिश्चित करे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन एवं स्वास्थ्य केन्द्रों जैसे परिसरों में नल से जल कनैक्शन देने की प्रगति की समीक्षा की और शेष बचे स्थानों पर आगामी 31 मार्च तक कनैक्शन देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जिलों में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठकों में भी इसकी प्रगति पर निरंतर निगाह रखी जाए। सभी जिलों में



विभागीय अधिकारी जिला कलक्टर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य अधिकारियों से सम्पर्क रखते हुए निर्धारित टाइमलाइन में लक्ष्य को पूरा करें। पंत ने बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी दिनों में सभी जिलों के कलक्टर्स, जिला परिषदों के सीईओ और जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को शामिल करते हुए राज्य सतरीय वेबिनार आयोजित करने तथा सभी कार्यों एवं गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में जेजेएम के तहत जिला कलक्टर्स की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठकें लगातार आयोजित हो रही हैं। प्रदेश में 40 हजार से अधिक ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के गठन और सभी जिलों में नियमानुसार प्रगति आयोजित हो रही है।

इम्प्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी) का चयन करलिया गया है। एसीएस ने सभी जिलों में आईएसए के साथ एसीएस इनाइटियॉवर करने का कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण युवाओं की स्किल ट्रेनिंग के कार्यक्रमों में भी पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। बैठक में जल स्रोतों के डिजाइन एवं स्टैण्डर्डाइजेशन, ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी, विलेज एक्शन लान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता (ग्रामीण) आरके मीना, मुख्य अभियंता (तकनीकी) संदीप शर्मा, डब्ल्यूएसएसओ के निदेशक अमिताभ शर्मा के अलावा ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक

जल स्रोतों की स्थिरता के लिए 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करें: सुधांश पंत

फोर्टनाइट कलेक्शन

जयपुर। जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में पेयजल के स्रोतों की लम्बे समय तक स्थिरता के लिए अधिकारियों को 'ग्राउंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करते हुए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। पंत गुरुबार को शासन सचिवालय में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग में नलकूप और हैंडपम्प सहित पेयजल सप्लाई के स्रोतों के आस पास वाटर रिचार्ज के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) की गाइडलाइन के अनुसार संरचनाओं का निर्माण हो। इसके लिए जलदाय विभाग के अधिकारी अन्य विभागों के साथ समन्वय करते हुए 15वें वित्त आयोग और मनरेगा के प्रावधानों के तहत उपलब्ध राशि का भी सदृपयोग सुनिश्चित करे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन एवं स्वास्थ्य केन्द्रों जैसे परिसरों में नल से जल कर्नैक्शन देने की प्रगति की समीक्षा की और शेष बचे स्थानों पर आगामी 31 मार्च तक कर्नैक्शन देने के निर्देश दिए।



उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जिलों में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठकों में भी इसको प्रगति पर निरंतर निगाह रखी जाए।

सभी जिलों में विभागीय अधिकारी जिला कलक्टर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य अधिकारियों से सम्पर्क रखते हुए निर्धारित टाइमलाइन में लक्ष्य को पूरा करे। पंत ने बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी दिनों में सभी जिलों के कलक्टर्स, जिला परिषदों के सीईओ और जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को शामिल करते हुए।

राज्य स्तरीय वेबिनार आयोजित करने तथा सभी कार्यों एवं गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में जेजेएम के तहत जिला कलक्टर्स की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठकें लगातार आयोजित हो रही हैं। प्रदेश में 40 हजार से अधिक ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के गठन और सभी जिलों में क्रियान्वयन सहयोग एजेंसीज (आईएसए-इप्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी) का चयन कर लिया गया है। एसीएस ने सभी जिलों में आईएसए के साथ एग्रीमेंट साइन करने का कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा।

कि ग्रामीण युवाओं की स्किल ट्रेनिंग के कार्यक्रमों में भी पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। बैठक में जल स्रोतों के डिजाइन एवं स्टैंडर्डाइजेशन, ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी, विलोज एक्शन प्लान सहित अन्य विन्दुओं पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता (ग्रामीण) आरके मीना, मुख्य अभियंता (तकनीकी) संदीप शर्मा, डब्ल्यूएसएसओ के निदेशक अमिताभ शर्मा के अलावा ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, सूचना एवं जनसमर्क विभाग, माहला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जल स्रोतों की स्थिरता के लिए 'ग्राऊंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करें : सुधांश पंत

जयपुर, (का.सं.) | जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में पेयजल के स्रोतों की लम्बे समय तक स्थिरता के लिए अधिकारियों को 'ग्राऊंड वाटर रिचार्ज' और 'जल संरक्षण' पर फोकस करते हुए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए हैं।

पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग में नलकृपा और हैंडपम्प सहित पेयजल सप्लाई के स्रोतों के आस पास वाटर रिचार्ज के लिए जल जीवन मिशन (जे.जे.एम) की गाइडलाइन के अनुसार संरचनाओं का निर्माण हो। इसके लिए जलदाय विभाग के अधिकारी अन्य विभागों के साथ समन्वय करते हुए 15वें वित्त आयोग और मनरेगा के प्रावधानों के तहत उपलब्ध राशि का भी सुनिश्चित करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में खूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत



जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

भवन एवं स्वास्थ्य केन्द्रों जैसे परिसरों देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल रखी जाए। सभी जिलों में विभागीय में नल से जल कनैक्शन देने की प्रगति जीवन मिशन के तहत जिलों में जिला अधिकारी जिला कलेक्टर, जिला की समीक्षा की और शेष बचे स्थानों जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठकों परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी अस्तित्व में भी इसकी प्रगति पर निरंतर निगाह और अन्य अधिकारियों से सम्पर्क रखते हुए निर्धारित टाइमलाइन में लक्ष्य को पूरा करें।

पंत ने बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी दिनों में सभी जिलों के कलेक्टर्स, जिला के परिषदों के सीईओ और जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को शामिल करते हुए राज्य स्तरीय बैठक आयोजित करने तथा सभी कार्यों एवं गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में जल स्रोतों के डिजाइन के एवं स्टैण्डर्डजेशन, ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी, विलेज एक्शन ल्यान जा सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। लो बैठक में मुख्य अधिकारी (ग्रामीण) में: आरके भीना, मुख्य अधिकारी ने (तकनीकी) संदीप शर्मा, प्रस डब्ल्यूएसएसओ के निदेशक अभियान थे, शर्मा के अलावा ग्रामीण विकास एवं वा पंचायतीराज, सूचना एवं जनसमर्क हैं, विभाग, महिला एवं बाल विकास को विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी अस्तित्व मौजूद रहे।